रविदास मंदिर नहीं देश के संविधान को गिराया गया : राजरत्न

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : संविधान निर्मात्री सभा के चेयरमैन डॉ. बीआर आंबेडकर के पड़पोते डॉ. राजरत्न आंबेडकर ने दिल्ली में 500 साल पुराने श्री गुरु रविदास मंदिर को गिराने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि यह मंदिर नहीं संविधान को गिराया गया है। भारत के करोड़ों लोगों की आस्था पर गहरी चोट की गई है।

डॉ. आंबेडकर रविवार को यहां एक सेमीनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में कुछ ताकतें फिर से मनु स्मृति लागू करना चाहती हैं। मंदिर तोड़ने के खिलाफ किसी एक जाति विशेष को नहीं, बल्कि सभी लोगों को संघर्ष करना चाहिए। लोकतंत्र के चारों स्तंभों पर आरएसएस ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कांग्रेस व भाजपा की विचारधारा में कोई फर्क नहीं है। मोहन भागवत आरक्षण पर चर्चा करने के बयान के साथ देश का माहौल बिगाड़ रहे हैं। उनके खिलाफ लोगों की भावनाओं को भड़काने का मामला दर्ज होना चाहिए। आज धर्म और आजादी को खतरा है। मंदिर के पुनर्निर्माण तक संघर्ष जारी रहेगा। दिल्ली के विधायक संदीप वाल्मिकी ने कहा कि गैर बराबरी के खिलाफ कांशीराम के संघर्ष ने दलित वर्ग में नयी चेतना पैदा की थी जो गलतियां अतीत में कांग्रेस ने की वही भाजपा कर रही है। कांग्रेस सरकार ने श्री हरिमंदिर साहिब पर हमला किया और 1984 में सिखों का कत्लेआम कराया। अब भाजपा सरकार ने रविदास मंदिर तोड़ कर रविदास भाईचारे की भावनाओं पर चोट की है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविदास मंदिर तोड़ने को सामाजिक मसला बताया था, जिस कारण उन्होंने पार्टी से बगावत की है।

दोस्त व उसके पिता को किया अगवा, धरा

वसुंधरा में दिल्ली के खालसा कॉलेज के बीकॉम छात्र ने दिया वारदात को अंजाम

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद : दिल्ली स्थित खालसा कॉलेज के बीकॉम द्वितीय वर्ष के छात्र ने रविवार सुबह वसुंधरा सेक्टर-तीन स्थित घर में पूजा होने की बात कर दोस्त व उसके इंजीनियर पिता को बुलाकर अगवा कर लिया। पिस्टल के बल पर दोनों के हाथ-पैर बांधकर मुंह में कपड़े ठूस दिए। उनकी पिटाई कर परिजन से 1.30 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। शाम को इंदिरापुरम पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इंजीनियर व उनकी बेटी को सकुशल बरामद कर लिया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि रविवार सुबह करीब पौने सात बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली की इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर - एक स्थित द्रोणांचल अपार्टमेंट में रहने वाले इंजीनियर कुनाल सैन व उनकी 17 वर्षीय बेटी का अपहरण हो गया है। अपहरण करने वाले ने उनकी बेटी के मोबाइल से पत्नी और मुंबई में रहने वाली बहन से 50-50 लाख और रांची निवासी बहन से 30 लाख रुपये की फिरौती मांगी। रकम न देने व पुलिस को सूचित करने पर दोनों को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इंजीनियर व उनकी बेटी को सकुशल बरामद करने की गोपनीय योजना तैयार की। परिजनों से अपहरण करने वाले को इंजीनियर व बेटी को सकुशल रखने के एवज में पांच लाख रुपये टोकन मनी के रूप में देने की बात तय कराई गई। पुलिस ने योजना के तहत बैग में जीपीएस लगाकर नकली नोटों की गड्डी (पांच लाख रुपये का डमी बंडल) रखकर अपहरणकर्ता के बताए स्थान पर पहुंचाया। अपहरणकर्ता ने कई स्थान बदले। अंत में शाम करीब छह बजे वसुंधरा सेक्टर-तीन स्थित आधारशिला स्कूल के पीछे रुपयों से भरा बैग रखने को कहा। पुलिस ने वहां पर बैग रख दिया। बैग लेने पहुंचे स्विफ्ट सवार युवक को पुलिस ने दबोच लिया। उसकी पहचान अवनीत सिंह वालिया निवासी अजनारा लैंडमार्क सोसायटी वैशाली सेक्टर - चार के रूप में हुई। उसके पास से पिस्टल व कारतूस बरामद हुआ। उसने इंजीनियर व उनकी बेटी का अपहरण करने की बात भी कबूल की है। पुलिस क्षेत्राधिकारी इंदिरापुरम अंशु जैन ने बताया कि आरोपित अवनीत सिंह वालिया ने बताया कि वसुंधरा सेक्टर तीन में 15 दिन पहले किराये पर लिए फ्लैट में उसने इंजीनियर कुनाल सैन व उनकी बेटी को बांधकर रखा है। पुलिस ने उसके बताए फ्लैट से इंजीनियर कुनाल व उनकी बेटी को बरामद किया। अवनीत ने बेड की पट्टी से दोनों के हाथ-पैर बांध रखे थे। मुंह में कपड़ा ठूंस रखा था। दोनों की पिटाई की थी। पुलिस ने दोनों को सकुशल बरामद कर लिया। फ्लैट से इंजीनियर व उनकी बेटी के मोबाइल, एक टैब, नशे की गोलियां, बेड की पट्टी, स्विफ्ट कार, इंजीनियर की मोटरसाइकिल, सिगरेट की खाली डिब्बी आदि सामान बरामद किया है।

अपहरणकर्ता के चंगुल से छूटने के बाद पीड़ित इंजीनियर कुनाल सैन ● जागरण

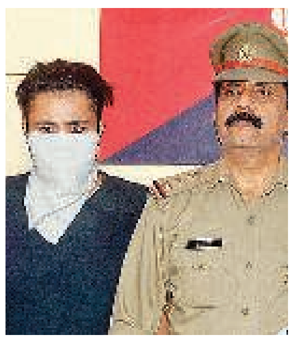

इंदिरापुरम थाना पुलिस की गिरफ्त में अपहरणकर्ता ● जागरण

पूजा होने की बात कहकर बुलाया था घर

नोएडा की कंपनी में इंजीनियर कुनाल सैन ने बताया कि रविवार सुबह करीब सवा छह बजे उनकी बेटी के दोस्त अवनीत ने कॉल कर वसुंधरा सेक्टर - तीन स्थित अपने फ्लैट पर पूजा होने की बात कर बुलाया। जैसे ही वह और उनकी बेटी फ्लैट में पहुंचे, अवनीत ने फ्लैट का दरवाजा बंद कर उन्हें पिस्टल की नोंक पर ले लिया। उनके मुंह में पिस्टल डाल दी। उसके बाद बेटी के मोबाइल से पत्नी व उनकी दोनों बहनों को कॉल की। सभी से उनकी बात कराई, फिरौती मांगी। डीजीपी ने इंदिरापुरम पुलिस की इस सफलता की सराहना की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

अपनी पार्टी से ज्यादा कांग्रेस की चिंता

भाजपा के कुछ नेता अपनी पार्टी से ज्यादा कांग्रेस को लेकर फिक्रमंद हैं। ऐसा नहीं है कि वो कांग्रेस में जाना चाहते हैं या फिर उसके हितैषी हैं। उनकी चिंता का कारण चुनावी समीकरण है। दिल्ली की चुनावी सियासत में भाजपा, आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होता है जिसमें वोट शेयर का महत्व बढ़ जाता है। यह माना जाता है कि आप व कांग्रेस का वोट बैंक बहुत हद तक एक है। इस स्थिति में कांग्रेस का कमजोर होना भाजपा के लिए नुकसानदेह है। भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस में इन दिनों सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। विधानसभा चुनाव से पहले यदि कांग्रेस की गुटबाजी खत्म नहीं हुई तो उसका परंपरागत वोट पिछले चुनाव की तरह फिर से आप के पक्ष में चला जाएगा। यदि ऐसा होता है तो कांग्रेस के साथ ही भाजपा को भी नुकसान हो सकता है। समस्या के समाधान के लिए कार्यकर्ता अपनी तरह से सलाह भी रख रहे हैं। उनकी सलाह भी ठेठ सियासी है। पार्टी कार्यालय में मौजूद एक नेता की सलाह थी कि कांग्रेस को मजबूत करने के लिए भाजपा के कुछ अनुभवी कार्यकर्ताओं को लगाना होगा। उनकी सलाह पर चुटकी लेते हुए एक कार्यकर्ता का कहना था कि कहीं ऐसा न हो कि हमारी मदद से दूसरी पार्टी जरूरत से ज्यादा मजबूत हो जाए और हम हाथ मलते रह जाएं।

सलाहकार करा रहे हैं फजीहत: सियासत में सलाहकारों की विशेष अहमियत होती है। यदि समय पर सही सलाह मिल जाए तो सियासी दंगल में विरोधी को चित करना मुश्किल नहीं। वहीं, कई बार गलत सलाह पर अमल करने से सियासी राह मुश्किल भी हो जाती है। दिल्ली के दो बड़े भाजपा नेताओं के साथ भी पिछले दिनों कुछ ऐसा ही हुआ। दोनों ने अपने सलाहकारों की सलाह से सियासी कार्यक्रम तय कर रहे हैं। एक ने जनता के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाने का एलान किया तो दूसरे ने आनन-फानन में परिवर्तन यात्रा निकालने की घोषणा कर दी। अपने कुछ खास सलाहकारों की सलाह मानकर इस यात्रा की तैयारी के लिए भी कार्यकर्ताओं को समय नहीं दिया। रात में घोषणा की और अगले दिन पहुंच गए जनता के बीच। इस ईवेंट को तय करते समय न तो उन्होंने संगठन के बड़े पदाधिकारियों को विश्वास में लिया और न ही कार्यकर्ताओं को तैयारी का समय। पहला कार्यक्रम तो किसी तरह से पार लग गया, लेकिन दूसरे में मामला फंस गया। कार्यक्रम स्थल पर चंद कार्यकर्ता ही पहुंचे। काफी इंतजार के बाद जब भीड़ नहीं पहुंची तो नेताजी ने बारिश का बहाना बनाकर इसे स्थगित करने में अपनी भलाई समझी।

मच्छर पर भी राजनीति

दिल्ली की राजनीति में आजकल एक मुद्दा खूब गरमाया हुआ है कि वह एक मच्छर। वह भी डेंगू वाला मच्छर। हालांकि यह मच्छर खतरनाक तो है। इसके काटने से कई बार जान के लाले भी पड़ जाते हैं। अब इस पर भी दिल्ली में राजनीति शुरू हो गई है। सत्तापक्ष मच्छरों को मारने के मुद्दे को आगे बढ़ा रहा है। सत्तापक्ष का मकसद है कि लोग यह समझ जाएं कि यह उनका अपना अभियान है तो अपने लिए चला रहे हैं तो समझो कि डेंगू का दिल्ली से सफाया तय है। इसी को आधार मानकर अभियान शुरू भी हो गया है। मगर विपक्षी दल इसमें भी राजनीति कर रहे हैं। वे घबराए हुए हैं कि कहीं अभियान सफल न हो जाए। उनकी पूरी कोशिश है कि नेताजी का यह अभियान सफल न हो पाए।

भेद दे रहे हैं विभीषण

दिल्ली की राजनीति में आज कल तू डाल डाल और मैं पात पात वाला मुहावरा फिट बैठ रहा है। दो प्रमुख दल एक दूसरे के साथ लुकाछिपी खेल रहे हैं। एक दल में तीन नेता अपना अलग-अलग अभियान चला रहे हैं तो दूसरी ओर पूरी पार्टी दूसरे दल के खिलाफ रणनीति बनाकर प्रहार कर रही है। दोनों दलों ने कुछ विभीषण भी बनाए हुए हैं जो अंदर की खबरें उन्हें दे रहे हैं।

इंजीनियरिंग के छात्रों ने एक-दूसरे के सिर फोड़े

क्रॉसिंग रिपब्लिक में शनिवार रात की घटना, छात्राओं से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा भिड़े दो पक्ष शांति भंग की धारा में चालान

जासं, गाजियाबाद : विजयनगर थानाक्षेत्र के क्रॉसिंग रिपब्लिक में नशे में धुत इंजीनियरिंग छात्र-छात्राओं के दो गुटों में शनिवार देर रात जमकर मारपीट हुई। आरोप है कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के साथ घूम रही छात्राओं से छेड़छाड़ की। घटना जीएच-7 सोसायटी के पास की है। मारपीट में दो लड़कों के सिर में गंभीर चोट आई। सूचना पर पुलिस पहुंची और चार छात्र व दो छात्राओं को थाने ले आई। छात्रों का शांति भंग की धारा में चालान किया गया, जबकि छात्राओं को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।

विजयनगर एसएचओ श्यामवीर सिंह ने बताया कि एनएच-9 स्थित नामचीन इंजीनियरिंग कालेज के छात्र-छात्राओं ने जीएच-7 सोसायटी में वीकएंड पर पार्टी की। नशे में धुत सभी सोसायटी के बाहर सड़क पर टहल रहे थे। इसी दौरान छात्रों का दूसरा गुट उधर से गुजरा। लड़कियों से छेड़छाड़ और छींटाकशी का आरोप लगा दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए और जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों ने फोन कर अपने अन्य साथियों को भी बुला लिया। दोनों गुटों से 5-6 लग्जरी कारों में सवार होकर दोनों के साथी भी मौके पर आ गए। दोनों में लाठी, डंडे और पत्थर चले। झगड़ते हुए दोनों पक्ष के लोग जीएच-7 सोसायटी में घुसने लगे। गार्ड व अन्य लोगों ने विरोध कर पुलिस को कॉल की। माइक मोबाइल के साथ आसपास की सभी चौकियों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस को देख आरोपित फरार हो गए। एसएचओ का कहना है कि किसी भी पक्ष से लिखित शिकायत नहीं मिली। मौके से पकड़े चार छात्रों का 151 के तहत चालान किया गया है। छात्रों के बारे में कालेज प्रबंधन और उनके परिजनों को फोन कर बता दिया गया है। छात्राओं को हिदायत देकर छोड़ दिया गया है।

फिल्म सिटी फ्लाईओवर की असल परीक्षा आज

जासं, नोएडा : फिल्म सिटी फ्लाईओवर पर तीन दिन से चल रहे प्रयोग की आज असल परीक्षा होगी। फ्लाईओवर से दिल्ली जाने वाले मार्ग को बंद कर वाहनों को स्लीप रोड से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से यू-टर्न से भेजा जा रहा है। रविवार को भी फ्लाईओवर बंद होने से जीआइपी तक वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ा। हालांकि एक्सप्रेस-वे पर जाम नहीं लगा। सोमवार को सभी कार्यालय खुले रहेंगे। वहीं ग्रेटर नोएडा में आयोजित ग्लोबल कंवेंशन में काफी लोग हिस्सा लेंगे। ऐसे में वाहनों का दबाव पड़ने से एक्सप्रेस-वे समेत कई मार्गों पर जाम लग सकता है।

पुलिस का कहना है कि वाहनों का दबाव बढ़ने पर जरूरत के मुताबिक मार्ग परिवर्तन किया जा सकता है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर चिल्ला बॉर्डर से महामाया फ्लाईओवर तक जाम की स्थिति बन जाती है। पुलिस ने छह माह पहले एक्सप्रेस-वे पर जाम को लेकर सर्वे किया था। जाम से राहत दिलाने के लिए फ्लाईओवर को बंद कर वाहनों को स्लीप रोड से एक्सप्रेस-वे पर लाया जा रहा है।

फोर्टिस पर महिला की मौत के बाद भी इलाज का आरोप, हंगामा

जागरण संवाददाता, नोएडा : सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल पर महिला की मौत के बाद कई दिनों तक इलाज करने का परिजन ने आरोप लगाया है। आरोप है कि रविवार को शव लेने पहुंचे परिजन पर बिल जमा करने का दबाव बनाया गया। परिजन ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची कोतवाली सेक्टर 58 पुलिस ने उन्हें शांत कराया। इसके बाद अस्पताल ने परिजन को शव दिया। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि परिजन को मरीज की हालत के बारे में बताया गया था। शनिवार देर रात महिला की मौत की जानकारी दे दी गई थी। शव देने से पहले रुपये मांगने के आरोप बेबुनियाद हैं।

इंदू देवी ● फोटो सौजन्य : परिजन

बिहार के सीतामढ़ी स्थित रेवासी पकड़ी निवासी इंदू देवी (42) परिवार के साथ मामूरा में रहती थीं। उनके बेटे राहुल अग्रवाल ने बताया कि 21 अगस्त को तबियत खराब होने पर मां को फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट (ह्दयघात) का अटैक आया है। 72 घंटे निगरानी करनी होगी। इसके बाद कई जांच की जाएंगी। डॉक्टर ने रिपोर्ट में सब सामान्य बताया। मां को सात दिन और अस्पताल में रखने के लिए कहा गया। शुक्रवार को अस्पताल प्रबंधन ने तीन लाख रुपये जमा करा लिए। शनिवार शाम करीब पांच बजे उन्होंने आधे घंटे तक मां की दोनों आंखें खुली देखी। इस पर उन्होंने डॉक्टर से कहा कि उनकी मां की मौत हो चुकी है, फिर भी इलाज क्यों किया जा रहा है। डॉक्टर ने उन्हें बीमारी का असर बता कर चुप करा दिया और रात करीब नौ बजे उन्हें मौत की जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने बिल बढ़ाने के लिए मौत के बाद भी मां को कई दिनों तक अस्पताल में रखा। रविवार सुबह वे लोग शव लेने पहुंचे, तब उन्हें 6 लाख 84 हजार रुपये का बिल दिया गया। तीन लाख रुपये वे पहले जमा कर चुके थे। शेष पैसे को किस्तों में जमा करने के लिए उनके पिता वीरेंद्र से स्टांप पेपर पर एग्रीमेंट कराया गया। उन लोगों ने विरोध करते हुए अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया।

सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल में उपचार के दौरान इंदू देवी की हुई मौत के बाद हंगामा करते परिजन ● जागरण

प्रदर्शन

- **महिला का 11 दिन चला इलाज, बनाया 6.84 लाख का बिल, पुलिस के हस्तक्षेप पर अस्पताल ने दिया शव**
- **अस्पताल प्रबंधन ने शव देने से पहले परिजनों से रुपये मांगने के आरोप को बेबुनियाद बताया**

"महिला को अटैक आया था। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर मौत के बाद भी इलाज करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। बिल को लेकर भी आपत्ति थी। पुलिस के हस्तक्षेप पर अस्पताल ने शव दे दिया। परिजन ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया है और शिकायत भी नहीं की है।

-शावेज खान, प्रभारी, कोतवाली सेक्टर-58, नोएडा

परिजन को मरीज की हालत गंभीर होने की बात पहले ही बता दी गई थी। 31 अगस्त की रात करीब 7 :52 बजे मरीज को कार्डियक अरेस्ट आया था। उसे डॉक्टरों ने सीपीआर दिया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। रात करीब 8 :22 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया। प्रबंधन ने परिजन को देर रात ही शव ले जाने के लिए कह दिया था, लेकिन वे अगले दिन सुबह शव ले जाने की इच्छा जताई थी। परिजन से शव को देने से पहले रुपये मांगने का आरोप बेबुनियाद है।

-फोर्टिस अस्पताल, प्रबंधन, सेक्टर-62, नोएडा"

गाजियाबाद में ट्रक चालक व मुंशी से लूट

जासं, गाजियाबाद : आर्मी हेलीकॉप्टर के 250 करोड़ रुपये के पार्ट्स लेकर जा रहे ट्रक के चालक व मुंशी को कार में अगवा कर लूटपाट की गई। मणिपुर की राजधानी इंफाल जा रहे ट्रक का मेन ड्राइवर और सुरक्षा में लगा सेना का नायक दिल्ली छावनी से ट्रक के निकलते ही उतर गया था।

शनिवार तड़के दो बजे सिहानी गेट थाना क्षेत्र में जीटी रोड पर पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस सामने स्विफ्ट सवार तीन बदमाशों ने ओवरटेक कर ट्रक को साइड में रुकवाया। चालक को कार में बिठाकर 19.5 हजार रुपये, कई दस्तावेज और तीन एटीएम कार्ड लूटकर बदमाशों ने उन्हें राजनगर एक्सटेंशन में फेंक दिया। पहले तो दोनों ने घटना छिपाने का प्रयास किया, लेकिन सेना के अधिकारियों को पता चला तो वे रविवार को सिहानी गेट थाने रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे।

एसएचओ सिहानी गेट उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि नायक विशाल और हापुड़ के गढ़ निवासी मेन ड्राइवर अशोक 29 अगस्त की रात 11 बजे छावनी से बिना सुरक्षा ट्रक लेकर निकले थे। रास्ते में अशोक व विशाल उतरे और गाड़ी दूसरे ड्राइवर अनिल चौहान, ट्रांसपोर्ट कंपनी के मुंशी अतुल व सहायक को सौंप दी।

सिगरेट से जलाए जाने का निशान दिखाता पीड़ित ट्रक चालक अनिल ● जागरण

तेज म्यूजिक बजाकर पीटा : पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के पास फिरोजी रंग की स्विफ्ट कार ने ओवरटेक कर ट्रक के आगे गाड़ी रोक दी। कार से तीन आरोपित निकले और ट्रक के शीशे तोड़कर दोनों को बाहर निकाल लिया। इसी दौरान सहायक भाग गया। गन प्वाइंट पर आरोपितों ने दोनों को कार में बिठाया और राजनगर एक्सटेंशन ले गए। तीनों के मोबाइल फोन ट्रक में ही रह गए थे। जंगल क्षेत्र में तीनों ने गाड़ी रोकी और तेज आवाज में म्यूजिक बजाकर दोनों को डंडे, रॉड और तमंचे की बट से बुरी तरह पीटा। मुंशी और चालक के पास मिले विजया बैंक व पीएनबी के तीन एटीएम के पिन नहीं बताए तो आरोपितों ने सिगरेट से जलाना शुरू कर दिया। दोनों ने पिन नंबर बता दिए, लेकिन खाते से उनके रुपये नहीं निकाल पाए।

शाहबेरी के चार बिल्डरों को अग्रिम जमानत नहीं

जांस, ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा वेस्ट के शाहबेरी क्षेत्र में अवैध निर्माण करने के दो अलग-अलग मामलों में न्यायालय ने चार बिल्डरों की अग्रिम जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दिनेश यादव व कृष्ण गुप्ता की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी। न्यायालय में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कहा कि उक्त दोनों बिल्डरों ने अपने साथियों के साथ शाहबेरी में अवैध निर्माण किया है। न्यायालय ने तथ्यों व परिस्थिति की गंभीरता को देखते हुए आरोपितों के अग्रिम जमानत पत्र निरस्त कर दिए हैं। वहीं, एक अन्य मामले में शाहबेरी के कासिद हुसैन खान व नौशाद अली ने भी न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। एडीजीसी हेमंत नागर ने बताया कि दोनों अभियुक्तों ने साथियों के साथ मिलकर शाहबेरी में बहुमंजिला इमारतों का निर्माण किया है।

कागजों में ही रह गया एमसीआइ का निर्देश

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के मकसद से भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआइ) ने दस साल पहले सभी मेडिकल कॉलेजों को इमरजेंसी मेडिसिन का अलग संकाय शुरू करने का निर्देश दिया था। ताकि इमरजेंसी मेडिसिन में दक्ष डॉक्टर तैयार किए जा सकें। कुछ संस्थानों ने इस आदेश पर अमल किया, लेकिन ज्यादातर मेडिकल कॉलेजों ने इसे नकार दिया। इसलिए एमसीआइ का निर्देश कागजों में ही सिमट कर रह गया।

10 साल पहले एमसीआइ ने मेडिकल कॉलेजों को दिया था इमरजेंसी मेडिसिन का संकाय शुरू करने का निर्देश

यह देखा गया है कि अस्पतालों में सबसे ज्यादा मारपीट की घटनाएं इमरजेंसी में होती हैं। इसका बड़ा कारण इमरजेंसी में सुविधाओं का अभाव और इलाज से मरीजों व तीमारदारों का असंतुष्ट होना है। दो साल पहले एम्स सहित कई संस्थानों के डॉक्टरों ने इमरजेंसी सुविधा को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की थी। जिसमें कहा गया था कि भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआइ) ने वर्ष 2009 में सभी मेडिकल कॉलेजों को इमरजेंसी मेडिसिन का अलग स्पेशलिटी संकाय शुरू करने का निर्देश दिया था। जिसमें कुछ राज्यों के मेडिकल कॉलेजों ने ही अपनी रुचि दिखाई। यही वजह है कि करीब 500 मेडिकल कॉलेजों में से 30-35 कॉलेजों में ही इमरजेंसी मेडिसिन का अलग संकाय है। यही वजह है कि सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी वार्ड गैर विशेषज्ञता वाले रेजिडेंट डॉक्टर चलाते हैं। वरिष्ठ डॉक्टर इमरजेंसी में सेवा देना भी नहीं चाहते। रेजिडेंट डॉक्टर 24 से 36 घंटे तक ड्यूटी करने को मजबूर होते हैं।

मौजूदा समय में अस्पतालों में बड़े-बड़े इमरजेंसी ब्लॉक बनाए जा रहे हैं। क्योंकि गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। यही वजह है कि सफदरजंग अस्पताल में 500 बेड का इमरजेंसी सेंटर बनाया गया है। आरएमएल अस्पताल में करीब 290 बेड का इमरेंसी ब्लॉक है। एम्स व लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में भी इमरजेंसी सुविधाओं का विस्तार होना है। फिर भी इलाज के लिए इमरजेंसी में वरिष्ठ डॉक्टर नियुक्त नहीं किए जा रहे हैं।

दिल्ली से नोएडा जा रहे सैन्यकर्मी से लूटपाट

जासं, नोएडा : दिल्ली से नोएडा आने के दौरान बदमाशों ने ऑटो में सैन्यकर्मी को नशीला पदार्थ पिलाकर लूटपाट की। वारदात शनिवार रात की है।

मध्य प्रदेश के जिला छतरपुर निवासी रिंकू रघुराज सिंह के भाई राघवेंद्र सिंह राजावत आर्मी में तैनात हैं। रागवेन्द्र सिंह मध्य प्रदेश से मेरठ के लिए निकले थे। 31 अगस्त की रात वह निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर पहुंचे व वहां से सेक्टर 35 मोरना बस अड्डा आने के लिए ऑटो से चले थे। इसी बीच किसी अनजान व्यक्ति ने उन्हें पानी में कुछ नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। जिससे वह बेहोश हो गए व बदमाश उनसे मोबाइल, पर्स, पांच हजार रुपये नकदी, एटीएम कार्ड व क्रेडिट कार्ड लेकर फरार हो गए। कुछ देर बाद वह सेक्टर 98 के पास मिले। कोतवाली प्रभारी नीरज मलिक ने बताया कि जहरखुरानी गिरोह का शिकार हुआ है पीड़ित सैन्यकर्मी।

आह्वान गुर्जर समाज ने कहा-महिलाओं के हैं तप और त्याग के अनेक किस्से, उनको बराबरी का अधिकार मिले

समाज व रूढ़िवादी सोच में बदलाव की जरूरत

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस पर गुर्जरों ने समाज को आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षिक व सामाजिक क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया। समाज की महिलाओं को बराबर का अधिकार देने का संकल्प लेने के साथ रूढ़िवादी सोच को बदलने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि इतिहास में गुर्जर महिलाओं के तप और त्याग के अनेक किस्से हैं जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

सम्राट मिहिर भोज की जयंती पर सम्राट मिहिर भोज पार्क में रविवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस पर दिल्ली एनसीआर समेत विभिन्न राज्यों से गुर्जर समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीत के माध्यम से गुर्जरों के बलिदान की गाथा व इतिहास का बखान किया। इसे सुनकर समाज के लोग गदगद हो उठे। मिहिर भोज पार्क तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। लोगों को संबोधित करते हुए प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं एमएलसी नरेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि शिक्षा से ही विकास के रास्ते खुलते हैं। समाज को शिक्षा की तरफ अग्रसर होना होगा। प्रदेश के पूर्व मंत्री रामसकल गुर्जर ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए बड़े और सख्त निर्णय लेने होंगे। समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना होगा। पूर्व मंत्री वेदराम भाटी ने समाज के विकास पर बल देते हुए कहा कि सभी को संगठित होकर संघर्ष करना होगा। डीएसपी डॉक्टर जालना ने कहा कि गुर्जर समाज आज लगातार तरक्की कर रहा है। पूर्व मंत्री हरिशचंद भाटी ने सम्राट मिहिर भोज की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कि वे केवल गुर्जर समुदाय के ही नहीं बल्कि सभी वर्गों के आराध्य थे। वक्ताओं ने कहा कि समाज को शान शौकत के नाम पर दिखावे से बचने के साथ ही बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देने की जरूरत है।। गुर्जरों को दहेज लेने देने की सोच में बदलाव लाना होगा। विभिन्न क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। जज बनी रुचि भाटी, यूपी पुलिस कबड्डी टीम की कप्तान सोनीका नागर, ऑस्कर अवार्ड विजेता सुमन गुर्जर व स्नेह लता गुर्जर, अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही सागर कसाना, पायलट पंकज चंदेला, अंतरराष्ट्रीय शूटर पूजा व सिंह राज गुर्जर आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रागनी गायकों ने क्षेत्रीय लोकगीत गाकर सम्राट मिहिर भोज की जीवनी पर प्रकाश डाला।

ग्रेनो के सम्राट मिहिर भोज पार्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस कार्यक्रम में प्रतिभाओं को सम्मानित करते पूर्व मंत्री नरेंद्र भाटी ● जागरण

अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस

- **ग्रेनो में सम्राट मिहिर भोज की जयंती पर हुआ कार्यक्रम**
- **रागनी के जरिये इतिहास जान गदगद हुए लोग**
- **शिक्षा से ही विकास के रास्ते खुलते हैं : भाटी**

जुर्माना भरकर छूट जा रहे 'जहर के सौदागर'

जागरण विशेष

विनीत त्रिपाठी ● नई दिल्ली

मिलावटखोरी का कारोबार देश की राजधानी से लेकर सभी राज्यों में जड़े जमा चुका है। मिलावटी खाद सामाग्री खाने से लाखों लोग बीमार हो रहे हैं। कुछ को तो जान से भी हाथ धोना पड़ा है। इसके खिलाफ सख्त कानून भी बने हैं। लेकिन नमूने लेने से लेकर जांच और कार्रवाई तक हर जगह अधिकारियों एवं मिलावटखोरों का खेल जारी है। सूचना के अधिकार (आरटीआइ) के तहत मिली जानकारी के अनुसार ऐसे मामलों में सजा के सख्त प्रावधान को नजरअंदाज करके जुर्माने की कार्रवाई से काम चलाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता शशांक देव सुधी ने भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) से दिल्ली समेत देशभर में खाद्य पदार्थों की जांच से जुड़ी जानकारी मांगी थी। जवाब में वार्षिक सार्वजनिक प्रयोगशाला रिपोर्ट का हवाला देते हुए एफएसएसएआइ ने बताया कि वर्ष 2013-14 से वर्ष 2017-18 के बीच कुल 3 लाख 87 हजार 723 नमूने लिए गए थे। इसमें से 68 हजार 682 नमूने मिलावटी निकले। इस पर कार्रवाई करते हुए विभिन्न राज्यों के विभागों ने कुल 28 हजार 907 आपराधिक मामले दर्ज किए, लेकिन महज 9659 लोगों के खिलाफ सजा की कार्रवाई की गई। हालांकि, विभागों ने मिलावट करने वालों से 50.95 करोड़ रुपये की वसूली की है।

दिल्ली में पिछले पांच साल में सिर्फ 2016-17 में सजा की कार्रवाई की गई है। गत पांच साल में यहां कुल 6566 नमूने लिए गए। इनमें से 748 नमूने मिलावटी व अनब्रांडेड पाए गए। इसमें से महज 138 मामलों को ही अपराध की श्रेणी में रखा गया। दिलचस्प बात यह है कि वर्ष 2016-17 में 106 लोगों के खिलाफ सजा की कार्रवाई हुई। अलबत्ता विभाग ने जुर्माने के रूप में एक करोड़ 24 लाख 6 हजार 800 रुपये की वसूली जरूर की है।

"दिल्ली में वर्ष 2016-2017 में सिर्फ 106 लोगों पर सजा की कार्रवाई की गई, जबकि बड़े पैमाने पर मिलावट की जाती। यह गंभीर मामला है और इसमें गंभीरता से स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की जरूरत है।

शशांक देव सुधी, अधिवक्ता

राज्य	नमूने	मिलावटी नमूने	सजा	जुर्माना
दिल्ली	6566	748	106	24.68 लाख
उत्तर प्रदेश	73215	29621	4219	22.20 करोड़
हरियाणा	10525	1263	65	1.14 करोड़
पंजाब	29391	7522	107	60.34 लाख
हिमाचल प्रदेश	2471	785	120	39.88 लाख
चंडीगढ़	1081	73	5	16.12 लाख
बिहार	9074	420	8	3.06 लाख
जम्मू-कश्मीर	13511	3740	1324	99.56 लाख
झारखंड	1971	475	8	22.07 लाख
मध्य प्रदेश	36000	5669	491	8.34 करोड़
उत्तराखंड	5269	824	00	35.51 लाख
पश्चिम बंगाल	1692	544	27	3.64 लाख

नोट : एफएसएसएआइ द्वारा उपलब्ध कराए गए सभी आंकड़े वर्ष 2013 से वर्ष 2018 के हैं।

क्या है प्रावधान : एफएसएसएआइ एक्ट-2006 की धारा-59 के तहत अगर ऐसी मिलावट पाई जाती है, जिसमें मनुष्य की जान का खतरा हो तो सात साल की सजा एवं 10 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। अगर जान का खतरा न हो तो इसमें एक साल की सजा एवं 3 लाख के जुर्माने का प्रावधान है। इसके अलावा कई अन्य पहलुओं को लेकर भी सजा एवं जुर्माना लगाने का प्रावधान है।